



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 362]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 22, 1983/श्रावण 31, 1905

No. 362]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 22, 1983/SRAVANA 31, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 22 अगस्त 1983

का० आ० 603(अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/83—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 634 (ड०)/18कक/आई० डी० आर० ए०/80, तारीख 23 अगस्त 1980 द्वारा (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) में मेश शिवराज फाइन आर्ट लिथोग्रफ़र्स, नागपुर नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18AA की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन 22 अगस्त, 1982 तक को जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और डेवलपमेंट कार्पोरेशन आफ विदर्भ लिमिटेड, नागपुर को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था,

और, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम, 22 फरवरी, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की और अवधि के लिए डेवलपमेंट कार्पोरेशन आफ विदर्भ लिमिटेड, नागपुर के प्रबंध के अधीन बना रहे;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2)

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त आदेश 22 फरवरी, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है छह मास की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का० सं० 2(15)/80-वी० यू० एम०]

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 22nd August, 1983

S.O. 603 (E)/18AA/IDRA/83.-- Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 634(E)/18AA/IDRA/80, dated 23rd August, 1980 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Shivraj Fine Art Litho Works, Nagpur, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years upto and inclusive of the 22nd August, 1983, and the Development Corporation of Vidarbha Limited, Nagpur, was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Development Corporation of Vidarbha Limited, Nagpur, for a further

period of six months upto and inclusive of the 22nd February, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 22nd February, 1984.

[F.No. 2(15)/80-CUS]

### आदेश

का० आ० 604(अ)/18 फब/आई डी आर ए/83.—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 694(अ)/18-एफ वी/आई डी आर ए/80. तारीख 28 अगस्त, 1980 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 बख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संस्थानों, संस्थानों के हस्तांतरण पत्रों, करारों, परिनिर्धारणों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उसके भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत दायित्वों से संबद्ध हैं) जिनका भैयस शिवराज फाइन आर्ट लिथो वर्क्स, नागपुर नामक औद्योगिक उपक्रम या ऐसे औद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षधर है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं, और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे;

और, केन्द्रीय सरकार अपनी यह राय होने पर कि जनसाधारण के हित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश, पूर्वोक्त एक वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी बना रहे, 22 अगस्त, 1983 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए ऐसे बने रहने के लिए समय समय पर घोषणा की थी (देखिए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 668 (अ)/18 एफ वी/आई डी आर ए/81, तारीख 26 अगस्त, 1981 और का० आ० 621 (अ)/18 फब/आई डी आर ए, तारीख 27 अगस्त, 1982);

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि की 22 फरवरी, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए बढ़ाया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 बख की उपधारा (2) के माध्यम से उक्त उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि की 22 फरवरी, 1984 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[का० सं० 2 (15)/80-सी यू एस]

ए० पी० सरवान, संयुक्त सचिव

### ORDER

S.O. 604(E)/18FB/IDRA/83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 694(E)/18FB/IDRA/80, dated the 28th August, 1980, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 18 FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Shivraj Fine Art Litho Works, Nagpur or the Company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or Company shall remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is necessary in the interests of the general public that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of one year aforesaid; had declared from time to time for such continuance for a further period upto and inclusive of the 22nd August, 1983 (vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S. O. 668 (E)/18FB/IDRA/81, dated the 26th August, 1981 and S.O. 621 (E)/18 FB/ IDRA/82, dated the 27th August, 1982);

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of 22nd February, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18 FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 22nd February, 1984.

[File No. 2(15)/80-CUS]

A.P. SARWAN, Jr. Secy.